No. of Printed Pages : 6

MHD-12

एम. ए. (हिन्दी) (एम. ए.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम. एच. डी.-12 : भारतीय कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : (*i*) प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है।

(*ii*) शेष प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) एक पागल तो हिन्दुस्तान, पाकिस्तान और पाकिस्तान के चक्कर में कुछ ऐसा गिरफ्तार हुआ

कि और ज्यादा पागल हो गया। झाड़ू देते-देते वह एक दिन दरख्त पर चढ़ गया और टहनी पर बैठकर दो घण्टे निरन्तर तकरीर करता रहा, जो पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के नाजुक मसले पर थीं..... सिपाहियों ने जब उसे नीचे उतरने को कहा तो वह और ऊपर चढ़ गया। जब उसे डराया-धमकाया गया तो उसने कहा : "मैं न हिन्दुस्तान में रहना चाहता हूँ न पाकिस्तान में..... ..... मैं इस दरख्त ही पर रहूँगा....।" बड़ी देर के बाद जब उसका दौरा सर्द पड़ा तो वह नीचे उतरा और अपने हिन्दू-सिक्ख दोस्तों से गले मिल-मिलाकर रोने लगा। इस ख्याल से उसका

दिल भर आया था कि वह उसे छोड़कर हिन्दुस्तान चले जाएँगे.....।

(ख) बत्तीस शौचालयों की भयंकर दुर्गन्ध से उसका दम घुट गया। उसकी आँखें बुझ गईं और उनके आगे अँधेरा छा गया, आँखें भारी होकर दर्द करने लगीं। उसे लगा गर्म रेत पर फेंक दी गई मछली की तरह मस्तिष्क तड़प रहा है। धमनियों का जाल तोड़कर बाहर आ रहा है, माथे को, सिर के पिछले हिस्से को धक्का दे रहा है। पेट के अन्दर खलबली मची है और पेट की अंतड़ियाँ मुँह से बाहर आ रही हैं। उसने अपने होंठ जोर से दबा लिए।

(ग) पंद्रह मिनट बीतते-न-बीतते बच्ची की पलकें भारी हो गईं। प्यार से उठाकर उसे पालने में डाल

और किवाड़ पर चिटकनी चढ़ावर तविरम्मा निकल पड़ी। सत्यवती उसकी एक-एक चेष्टा को विस्मय से देख रही है। सड़क पर अम्माजी उनकी प्रतीक्षा में है।

चिढ़े या झिड़के या कुत्तों और पुलिस को देखकर डराएँ, धनहीनों का धनवानों को सताए बगैर काम नहीं चलता।

(घ) राजकुमारी के रोम रोम में धसा डर किसी अदीठ जादू के जोर से अन्दर, अनन्त फख़ और हर्ष में बदल गया। इंसानों के जमघट में फकत इंसान नाम की कमी है। इस पुतले से मिलकर तो खुद मौत भी अपना भाग्य सराहेगी। ऐसी मौत पर तो लाखों का जीवन न्यौछावर। मारने से ज्यादा तो राजा का भी वश नहीं है। फिर मरने का डर न

होने पर कैसी जोखिम? कैसी हिचकिचाहट? मरना निश्चित है, तब भी तमाम लोगों को मरने से डर लगता है। और एक यह औघड़, जिसे अपनी सच्चाई के सिवाय दूसरा किसी तरह का बोध ही नहीं।

2. मलयालम कहानी परम्परा में एम. टी. वासुदेवन नायर का स्थान निर्धारित करते हुए 'दीदी' कहानी का मर्म लिखिए। 10

3. 'अपने लिए शोकगीत' कहानी के शिल्प पर प्रकाश डालिए। 10

4. दलित साहित्य में बाबूराव बागुल का स्थान निर्धारित करते हुए 'विद्रोह' कहानी का सामान्य परिचय दीजिए। 10

5. 'अपना अपना कर्ज़' समूची मानवता के दर्द की कहानी है। स्पष्ट कीजिए। 10

6. आतंकवाद की भयावह समस्या के सन्दर्भ में 'एक अविस्मरणीय यात्रा' के महत्व पर विचार कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 2 = 10$

(क) गुजराती कथाकार रघुवीर चौधरी

(ख) 'जवाबी कार्ड' कहानी के गुल साहब

(ग) कथाकार आनंद

(घ) हरिमोहन झा